ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 130-131
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

समसामयिक परिदृश्य में भारत की सुरक्षात्मक भूमिका

डॉ0 अशोक कुमार गुप्त
प्राचार्य– रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, एम0बी0एम0, महराजगंज, (उ0प्र0), भारत

Received-23.08.2023, Revised-30.08.2023, Accepted-05.09.2023 E-mail: drakguptkisan@gmail.com

सारांशः ***सृष्टि की सृजनात्मक्ता में मानक बुद्धि की श्रेष्ठता ने समसामयिक परिदृश्य में विश्वराष्ट्र को सहयोगत्मक दिखावटीपन के मकड़जाल में उलझा दिया है, जिससे किसी भी राष्ट्र को यह स्पष्ट करना कठिन है कि उसका शत्रु व मित्र कौन है? क्योंकि जो राष्ट्र कल तक किसी का अजीज सहयोगी था वह आज सबसे बड़ा शत्रु है। रूस–यूक्रेन संघर्ष 2022–23 अरब–इजराइल संघर्ष अक्टूबर 2023 समीचीन है। अर्थात विश्व स्त्रातजिक प्रांगण में नियंत्रक (संयुक्त राष्ट्र) की असफलता ने समस्त राष्ट्र की युद्धनीति व युद्धकला को परिवर्तित कर दिया है, इस परिवर्तित परिदृश्य में तृतीय विश्व युद्ध हेतु उत्प्रेरित कर निरर्थक ही सैन्य तैयारी में केन्द्रित कर राष्ट्रीय जनमानस पर रोटी कपड़ा, मकान, शिक्षा व स्वास्थ्य का दबाव बढ़ाकर मानसिक स्थिति को जीर्ण–क्षीण कर असहाय बिन्दू पर खड़ा कर दिया।***

कुंजीभूत शब्द– सृजनात्मक्ता, समसामयिक परिदृश्य, दिखावटीपन, मकड़जाल, स्त्रातजिक प्रांगण, आर्थिक विस्मता, स्थायित्व।

हमारे राष्ट्र महान भारत का प्रत्येक नागरिक तो नागरिक गर्मस्थ भ्रण रूप में पल्वित लगभग रू0 54,000/– (चौवन हजार मात्र) का कर्जदार है यह कर्ज वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव सरकार गठन से पूर्व चालीस हजार के नीचे था। चुनावी प्रलोभन शून्य का, कालाधन वापस कर किन्तु अक्टूबर 2023 न कालाधन वापस हुआ कर्ज तीव्रता से बढ़ता चला गया अर्थात यह प्यार है कर्ज का जो चलता रहेगा.....। एक परिवार, एक नौकरी का चुनावी एजेण्डा को पूरा न करके कोरोना वायरस, कश्मीर वायरस, एल0ओ0सी0 साइवर, मुफ्त खाद्यान्न सामन्तवाद इत्यादि वायरस मैं भारत सरकार द्वारा भारतीय को उलझा दिया गया है। अबौद्धिक के साथ–साथ बौद्धिक वर्ग के आवाज को न्याय संगत तरीके से नहीं अपितु बुल्डोजर के प्रयोग द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि हमारी सरकार लोकतांत्रिक नहीं, भाजपा तांत्रिक है। इस दमनात्मक मैं गैरराजनीतिक मानव को अन्तस से दृढ़ता के साथ जागरूकता की अनिवार्य आवश्यकता है किन्तु विराधात्मक परिदृष्य यह है कि हम स्वयं का मूल्यांकन न करके अन्य का मूल्यांकन यथा रूस–यूक्रेन संघर्ष (2022–23) तालीबान–अफगानिस्तान, अरब–इजराइल संघर्ष (2023) मणिपुर हिंसा, उत्तर प्रदेश के विधिक क्षेत्र में हिंसा, विविध राजनीतिक लोक–लुभावने योजना–परियोजना में उलझे सच्चाई से अपने को दूर कर लिए है।

भय बुल्डोजर का हम यह भूल चुके है कि मानव शरीर नश्वर है सोमवार से रविवार (7 दिन) तक किसी एक वार (युद्ध) को जन्म तो किसी एक वार (युद्ध) को मृत्यु निश्चित है। इसके बावजूद विचारत्मक कठिन प्रश्न है कि किसके पास अपनी समस्या प्रश्न लेकर जाए और समाधक कौन है अपेक्षाएं मर गई है मात्र मानव शरीर है येन केन प्रकारेण मानव जीवन के जीवनचक्र पर सरकार चलाय मान है। राजनीतिक सेंध में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्त्रातजी व सामरिकी का कोई महित्व नहीं है। अभी भी समय है रामचरित मानस में गो0 तुलसीदास जी ने स्पष्ट उल्लिखित किया है कि – अवलो न सानी, अब न नसैही, रामकृपा भव निसा सिरहानी अर्थात अपने को बर्बाद कर चुकें है अब बर्बाद नहीं होने देंगे। शांति, सुरक्षा व स्थायित्व, भारत के लिए बेहद महत्वूर्ण है। भारत करीब 70 फीसदी तेल और गैस यहीं से आयात करता है। भारत की सुरक्षात्मक भूमिका को निम्नलिखित परिदृश्य में देखा जा सकता है।

1. आर्थिक विस्मता से जनदबाव एवं क्षेत्रीय हिंसा की तीव्र गतिविधियां।
2. पश्चिम एशियाई देशों में 90 लाख से भी ज्यादा भारतीय रहते है, जो करोड़ों डॉलर भारत भेजते है।। ज्यादातर वैश्विक व्यापार और समुद्री मार्ग पश्चिम एशिया से ही गुजरते है।
3. युद्ध अभी चौथे सप्ताह में पहुंचा है और तेल की कीमतें बढ़ने लगी है, चूंकि भारत ज्यादातर तेल का आयात करता है, इसलिए इससे भारत के खर्चे बढ़ेगे, जिससे महंगाई बढ़ेगी।
4. हमें यह समझना होगा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दरअसल ट्रांजिट बिंदु है। वहां हमारी छह–सात हजार कम्पनियाँ है, जो भारत में निवेश कर रही है, सऊदी अरब भी भारत में निवेश बढ़ाने की कोशिश में है। क्षेत्र में अशांति से ये निवेश निश्चित ही प्रभावित होगें।
5. ईरान के साथ हमारे सम्बन्ध भी जटित हो सकते है। ईरान के साथ सम्बन्धों में चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय नॉर्थ–साउथ कॉरिडोर परियोजनाएं महत्वपूर्ण है, जिन पर प्रभाव पड़ सकता है।
6. नई दिल्ली में आयोजित हुए जी–20 शिखर सम्मेलन में जिस भारत मध्य पूर्व–यूरोप गलियारे (आइमेक) की स्थापना पर, जिसे चीन की बेल्ट ऐंड रोड पहल (बीआरआई) का जवाब माना जा रहा है, जो स्वीकृति बनी थी, उस पर भी संकट मंडराने लगे है।
7. 2024 का भारत की लोगसभा चुनाव के परिणामों की प्रभाविता।

उपरलिखित बिन्दुओं का विचारात्मक अवलोकन समय की अनिवार्य आवश्यकता है। यद्यपि की भारत आरम्भ से ही शांतिगत नितियों का अनुशरण करते हुए आया है उसका विचार है कि हम जैसा सोचते है वैसा हमारे विचार होते है अतः विषम से विषम परिस्थितियों में भी हमारी सोच–विचार सकारात्मक होनी चाहिए इसी को आत्मसात् करते हुए समसामयिक पश्चिमी एशिया में हो रहे हिंसात्मक संघर्षो में अपनी शांतिमय भूमिकाओं का निर्वहन कर रहा है। सऊदी अरब के महज दो फीसदी लोग इस्त्राइल के साथ सम्बन्धों को बहाल करने के पक्ष में है, निश्चित ही कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होने में समय लगेगा। यहां के ज्यादातर मुसलमान आतंकवाद में भरोसा नहीं करते है और यही उनकी भारतीयता है। आज पूरी दुनिया भारत का सम्मान करती है। पश्चिम एशियाई देश

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

भी चाहते है कि भारत आगे आए। आज उसकी साख है। भारत जब कहता है, तो दुनिया सुनती है, क्योंकि वह सिद्धांतों की बात करता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि जैसे इंग्लैंड अंग्रेजों के लिए और फ्रांस फ्रेंच लोगों के लिए है, उसी तरह फलस्तीन फलस्तीनियों के लिए हैं। सन 1948ई0 में जब पहली बार वोट हुआ, तब भारत ने फलस्तीन को बांटने के प्रस्ताव के विरोध में मत दिया था। सन 1950ई0 में भारत ने आधिकरिक तौर पर इस्त्राइल राज्य को मान्यता दी। फिर विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि भारत दो राज्य सिद्धांत का हिमायती है। फिर जब गाजा के अस्पताल पर हमला हुआ, जिसमें 500 लोग मारे गये थे। रूस–यूक्रेन और अब इस्त्राइल–हमास के बीच युद्धों ने वैश्विक व्यवस्था को बदलने का काम किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा व मानव जीवन के लिए त्वरित है। प्रतिपल भ्रमात्मक अस्त्र को आत्मसात कर एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के कंधे पर ठिकरी तोड़ते हुए अग्रांकित है वर्ष 2023 में श्रीलंका द्वारा चीन, पाकिस्तान कम्पनी समूह को दिया गया लिक्विड नेचुरल गैस (LNG) को वापस लिया जाना एवं भारतीय कम्पनी को दिए जाने की उद्घोषणा श्रीलंका की संडेटाइम्स ख्यातिलब्धि समाचार पत्र ने अगस्त 2023 में प्रोजेक्ट इण्टर नेशनल बिडिंग प्रोसेस के अन्तर्गत किया गया। इसके मूलांक विचार में आर्थिक जर्जरता से परेशान श्रीलंका बिजली उत्पादन की लागत को कम करने के लिए उठाया गया सकारात्मक कदम है। स्छळ के माध्यम से विद्युत उत्पादित होगा।

उर्जामंत्री कंचना विज सेकेरा ने एक कैबिनट पेपर (प्रपत्र) प्रस्तुत कर चीन, पाकिस्तान को दिए गए सहयोगात्मक प्रोजेक्ट पर नाराजगी परिव्यक्त किया है। सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोंड के अधिकारियों ने भी एक वकतव्य में स्पष्ट किया कि बिना प्रतिस्पर्धा भारतीय कम्पनी को प्रोजेक्ट देना श्रीलंका को महँगा, क्योंकि मूल्य निर्धारण भारतीय कम्पनी करेगी। दूसरे राष्ट्र उपास्थिति नीलामी में न होने से स्पष्ट है कि महँगाई का मार भारत के आम जनमानस को झेलना होगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का जुलाई 2023 भारत आगमन वापस चीन से टेंडर लेकर भारत को देने का निर्णय भ्रमात्मक विचार उत्पन्न करता है। सूक्ष्मता स्तर पर यह भी विचार करने की आवश्यकता है भारत के वर्तमान सरकार या बौद्धिक सम्वर्ग को कि विगत माह या वर्ष में श्रीलंका की हृदयात्मक हिंसापरक गृह युद्ध ने अन्य राष्ट्र को सुसुप्तावस्था से जाग्रतावस्था में लाकर धीर–गम्भीर कर दिया है। यद्यपि इस प्रकार की स्थितियाँ या परिस्थितियाँ त्वरित नहीं अपितु प्राचीनतम है किन्तु हमारी आदत में शुमार है कि रक्षा, सुरक्षा संरक्षा के प्रति हम गम्भीर नहीं होते है। कुछ मिसाइल, चन्द्रयान 1–2–3 इत्यादि के परीक्षण द्वारा जनमानस में धीरता–गम्भीरता के अलंकरण द्वारा अवश्य ही सहानुभूति प्राप्त कर सत्ता कर काबिज होने में सफल हो जाते है। रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के प्रति सत्तारूढ़ सरकार द्वारा इस प्रकार की आंख–मिचौली का कठपूतली कब तक चलता रहेगा। मानस जीवन में लहू (रक्त) का विक्रय, मानव तश्करी, मद्य–मसालापान, देह व्यापार, भ्रष्टाचार, छदम युद्ध हिंसा इत्यादि पर अंकुश कब लगेगा? शांतिपरक नीतियों में निःसंदेह वर्ष 2024 के चुनाव में मतदान से पूर्व स्वमूल्यांकन कर तत्पश्चात मत देना समय की महती आवश्यकता है तभी स्वजीवन को सार्थक भविष्यगत जीवन को उज्ज्वलमय बनाने में सफल व भारत को विकसित बना सकते है। इसी दृढ़ संकल्पना के साथ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. राष्ट्रदूत अगस्त 2023.
2. अमर उजाला फरवरी 2023.
3. योजना।
4. समसामयिकी।
5. अमर उजाला अक्टूबर 2023.
6. विकिपीडिया–इंटरनेट।
7. स्वविचार।

*****